vinetur

यूरोपीय संसद की समिति ने शराब संबंधी भाषा को केवल हानिकारक उपयोग तक सीमित किया

यह बदलाव ब्रुसेल्स को व्यापक प्रतिबंधों के बजाय नाबालिगों के लिए लक्षित सुरक्षा उपायों की ओर ले जाकर वाइन उत्पादकों पर दबाव कम कर सकता है।

सोमवार, 28 सितंबर 2026



यूरोपीय संसद की सार्वजनिक स्वास्थ्य समिति ने यूरोपीय बीटिंग कैंसर प्लान से जुड़े अपने काम में शराब संबंधी भाषा के प्रति अधिक संकीर्ण रुख अपनाया है ; यह कदम ब्रुसेल्स में स्वास्थ्य नीति, लेबलिंग और मार्केटिंग नियमों पर जारी बहस के बीच वाइन क्षेत्र पर दबाव कम कर सकता है।

इतालवी प्रकाशन Gambero Rosso के अनुसार, समिति ने शराब की सामान्य खपत को समग्र रूप से हानिकारक मानने के बजाय "हानिकारक" शराब सेवन पर केंद्रित शब्दावली बनाए रखी। यह भेद सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में शराब को कैसे संबोधित किया जाए, इस लंबे समय से चल रही यूरोपीय बहस का केंद्रीय मुद्दा है। हानिकारक उपयोग पर केंद्रित भाषा दुरुपयोग और जोखिमपूर्ण व्यवहार को लक्षित करने वाले अधिक सटीक दृष्टिकोण का समर्थन करती है। व्यापक शब्दावली पूरे पेय बाजार में प्रचार, पैकेजिंग और स्वास्थ्य संदेशों पर कहीं सख्त और अधिक सामान्य सीमाओं का रास्ता

खोल सकती है।

Gambero Rosso ने बताया कि समिति का रुख उपभोक्ता जानकारी के मोर्चे पर वाइन क्षेत्र की प्रगति को भी स्वीकार करता है, जिसमें डिजिटल लेबलिंग का उपयोग शामिल है। यह बात अहम है, क्योंकि कई EU देशों के उत्पादकों ने तर्क दिया है कि तकनीक भौतिक बोतल लेबलों के लिए एक समान मॉडल थोपे बिना स्वास्थ्य और उत्पाद संबंधी जानकारी दे सकती है। इसके विपरीत, सार्वजनिक स्वास्थ्य समर्थक शराब युक्त उत्पादों पर अधिक स्पष्ट और अधिक दिखाई देने वाली चेतावनियों के लिए दबाव बनाते रहे हैं।

Gambero Rosso के अनुसार, वही समिति-रुख संभावित मार्केटिंग प्रतिबंधों को समग्र सीमाओं का समर्थन करने के बजाय नाबालिगों की सुरक्षा से जोड़ता है। व्यावहारिक रूप से, यह भविष्य की नीति चर्चाओं में एक महत्वपूर्ण रेखा बन सकती है। यदि ध्यान नाबालिगों के संपर्क पर ही बना रहता है, तो वाइन, बीयर और स्पिरिट्स के लिए भविष्य के नियम इस आधार पर तैयार किए जा सकते हैं कि उत्पादों का प्रचार कहाँ किया जाए, विज्ञापन किस तक पहुँच सकता है और सार्वजनिक आयोजनों में किन सुरक्षा उपायों की आवश्यकता होगी। यह खास तौर पर मेलों, सांस्कृतिक उत्सवों और उन जगहों पर प्रायोजन के लिए प्रासंगिक होगा जहाँ नाबालिग मौजूद हो सकते हैं।

मामला वाइन से आगे तक जाता है। हानिकारक पेय सेवन और समग्र शराब खपत के बीच EU का कोई भी भेद यह प्रभावित कर सकता है कि बीयर निर्माताओं, डिस्टिलरों और आयातकों के लिए भविष्य के नियम कैसे तैयार किए जाते हैं, और राष्ट्रीय सरकारें रोकथाम नीति पर ब्लॉक की दिशा की व्याख्या कैसे करती हैं। अधिक सीमित शब्दावली आयु नियंत्रण, सूचना उपकरण और लक्षित विज्ञापन प्रतिबंध जैसे क्षेत्र-विशिष्ट अनुपालन उपायों के लिए जगह छोड़ सकती है। अधिक व्यापक शब्दावली मादक पेयों पर व्यापक चेतावनियों और कड़े मार्केटिंग नियमों के पक्ष को मजबूत कर सकती है।

यूरोपीय बीटिंग कैंसर प्लान हाल के वर्षों में इस बहस के प्रमुख प्रेरकों में से एक रहा है। यह योजना रोकथाम, जांच, उपचार और बीमारी से उबरने के बाद की देखभाल के लिए व्यापक EU रणनीति है, लेकिन शराब नीति इसके सबसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील हिस्सों में से एक बन गई। वाइन-उत्पादक देशों और उद्योग समूहों ने बार-बार उस भाषा पर आपत्ति जताई है, जिसे वे सभी वैध खपत को दुरुपयोगी पेय सेवन की एक ही श्रेणी में रखती हुई मानते हैं। स्वास्थ्य संगठनों का तर्क है कि अधिक मजबूत और स्पष्ट चेतावनियों की जरूरत है, क्योंकि शराब कैंसर जोखिम और अन्य स्वास्थ्य हानियों से जुड़ी है।

उस संदर्भ में, समिति की शब्दावली को वाइन उत्पादकों के लिए अनुकूल संकेत के रूप में पढ़ा जाने की संभावना है, भले ही इससे क्षेत्र पर दबाव पूरी तरह खत्म न हो। समिति ने बहस के स्वास्थ्य आयाम को हटाया नहीं। इसके बजाय, Gambero Rosso की रिपोर्ट के आधार पर, उसने हानिकारक सेवन और सामान्य शराब सेवन के बीच एक रेखा खींची, और साथ ही जानकारी व डिजिटल उपकरणों पर वाइन उद्योग द्वारा उठाए गए कदमों को भी स्वीकार किया।

यह संतुलन समझा सकता है कि पेय उद्योग में इस विकास पर इतनी बारीकी से नजर क्यों रखी जा रही है। क्षेत्र भर की कंपनियां यह अनुमान लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या ब्रुसेल्स अनिवार्य चेतावनी प्रणालियों, कड़े प्रायोजन प्रतिबंधों या ई-कॉमर्स और ऑनलाइन उत्पाद जानकारी के नए मानकों की ओर बढ़ेगा। भले ही समिति के पाठ अंतिम कानून न हों, वे वह राजनीतिक भाषा आकार दे सकते हैं जो बाद में प्रस्तावों, सिफारिशों और विधायी प्रस्तावों में दिखाई देती है।

वाइन उत्पादकों के लिए यह शब्दावली खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यूरोप में वाइन अक्सर अन्य मादक उत्पादों की तुलना में अधिक जटिल राजनीतिक बहस के केंद्र में रहती है। कई सदस्य देशों में इसे केवल एक वाणिज्यिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि, क्षेत्रीय पहचान और खाद्य संस्कृति के हिस्से के रूप में भी देखा जाता है। इससे यह स्वास्थ्य विनियमन से सुरक्षित नहीं हो जाती, लेकिन इसका अर्थ यह है कि EU संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला फ्रेमिंग उत्पादकों, बोतलबंद करने वालों, व्यापार समूहों और निर्यात रणनीतियों के लिए व्यापक परिणाम ला सकता है।

डिजिटल लेबलिंग का उल्लेख भी उन उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण है जो उपभोक्ता जानकारी की मांगों को पूरा करते हुए हर बाजार के लिए पूरे भौतिक पैकेजिंग को फिर से डिजाइन नहीं करना चाहते। QR कोड और अन्य डिजिटल उपकरणों को उद्योग के बड़े हिस्से ने सामग्री, पोषण जानकारी और स्वास्थ्य मार्गदर्शन को कई भाषाओं में बताने के एक तरीके के रूप में प्रस्तुत किया है। आलोचकों का कहना है कि डिजिटल प्रणालियाँ पैक पर दी जाने वाली चेतावनियों की तुलना में कम दिखाई दे सकती हैं। समिति द्वारा इन प्रयासों को कथित रूप से मान्यता दिया जाना संकेत देता है कि, कम से कम अभी के लिए, ऐसे उपकरण EU की चर्चा का हिस्सा बने हुए हैं, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं किया गया है।

किसी भी तात्कालिक नियामकीय परिवर्तन के लिए EU संस्थाओं की आगे की कार्रवाई अभी भी जरूरी होगी। समिति की भाषा बहस की दिशा को प्रभावित कर सकती है, लेकिन यह अपने आप शराब लेबलिंग या प्रचार के अंतिम कानूनी ढांचे को तय नहीं करती। फिर भी, संसद के सार्वजनिक स्वास्थ्य पक्ष से आया नवीनतम संकेत उत्पादकों, खुदरा विक्रेताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य समूहों द्वारा नजदीकी से देखा जाने की संभावना है, क्योंकि वे इस बहस के अगले चरण की तैयारी कर रहे हैं कि यूरोप को मादक पेयों को कैसे विनियमित करना चाहिए, और जब नाबालिग सार्वजनिक आयोजनों और मार्केटिंग वातावरण में शामिल हों तो भविष्य के प्रतिबंध कितनी दूर तक जाने चाहिए।